

माता 6. कात्यायनी 7. कालरात्रि 8. महागौरी 9. सिद्धिदात्री 2. ब्रह्मचर्य का पालन करने वाली स्त्री, वेद अध्ययन और ब्रह्म साक्षात्कार में प्रवृत्त स्त्री।

ब्रह्मचारी पुं. (तत्.) संयमपूर्वक रहकर ब्रह्मचर्य का पालन करने वाला, गुरुकुल में रहकर ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए वेदाध्ययन करने वाला।

ब्रह्मजिज्ञासा स्त्री. (तत्.) 1. ब्रह्म को जानने की इच्छा 2. ब्रह्म विचार।

ब्रह्मज्ञान पुं. (तत्.) ब्रह्म का ज्ञान, परम तत्त्व का ज्ञान/ब्रह्म की सत्ता का ज्ञान।

ब्रह्मज्ञानी वि. (तत्.) जिस को ब्रह्म का ज्ञान हो, ब्रह्मवेत्ता, ब्रह्मज्ञ।

ब्रह्मणत्व पुं. (तत्.) ब्राह्मण होने का भाव, धर्म अथवा अधिकार, ब्राह्मण पत्र।

ब्रह्मण्य पुं. (तत्.) 1. ब्रह्मतेज 2. ब्रह्मनिष्ठ 3. ब्राह्मणों के योग्य 4. कार्तिकेय 5. शनिग्रह 6. शहतूत 7. ताड़।

ब्रह्मत्व पुं. (तत्.) 1. ब्रह्म का भाव 2. ब्राह्मण का भाव।

ब्रह्मदोष पुं. (तत्.) ब्रह्म हत्या का पाप, ब्राह्मण को मारने का दोष या पाप।

ब्रह्मद्वार पुं. (तत्.) योग की क्रिया में शीर्ष स्थान का कमल, ब्रह्म रंध्र मस्तक के मध्य का एक सूक्ष्म छिद्र, जिससे प्राण त्याग होने पर मोक्ष मानते हैं।

ब्रह्मनिष्ठ वि. (तत्.) 1. ब्रह्म के ज्ञान में लीन रहने वाला 2. ब्रह्म ज्ञानी 3. ब्राह्मण भक्त 4. वेदों का पूर्ण पंडित 5. अतिशय विद्वान।

ब्रह्मपद पुं. (तत्.) 1. ब्रह्मत्व 2. ब्राह्मणत्व, मोक्ष, मुक्ति का पद।

ब्रह्मपरायण पुं. (तत्.) वेदों का पूर्ण अध्ययन, ब्रह्म संबंधी ज्ञान का पारायण।

ब्रह्मपाश पुं. (तत्.) ब्रह्मा द्वारा अधिष्ठित अस्त्र, ब्रह्मशक्ति से परिचालित पाश।

ब्रह्मपिशाच पुं. (तत्.) 1. ब्रह्म राक्षस, अकाल मृत्यु के कारण बनने वाला ब्राह्मण का भूत,

ऐसे ब्राह्मण का प्रेत जिसने अपने जीवन काल में दूसरों की स्त्रियों का अपहरण तथा ब्राह्मणों के धन का हरण जैसे कार्य किए हों, ऐसा दुराचारी ब्राह्मण मृत्यु के पश्चात् जल रहित स्थान में ब्रह्म-राक्षस के रूप में भटकता है।

ब्रह्मपुराण पुं. (तत्.) अठारह पुराणों में से एक, पुराणों में इसका नाम सर्वप्रथम आने के कारण इसे आदि पुराण भी कहते हैं।

ब्रह्मपुत्र पुं. (तत्.) 1. ब्रह्म का पुत्र 2. नारद 3. वशिष्ठ 4. मनु 5. मरीचि 6. सनकादिक 7. एक नद जो मानसरोवर से निकल कर बंगाल की खाड़ी में गिरता है।

ब्रह्मपुरी स्त्री. (तत्.) 1. ब्राह्मणों की नगरी 2. राजा-महाराजाओं द्वारा ब्राह्मणों को दान के रूप में दिए गए गृहों का समूह 3. ब्रह्मलोक।

ब्रह्मबल पुं. (तत्.) कठिन तपस्या द्वारा प्राप्त की गई शक्ति।

ब्रह्मबीज पुं. (तत्.) प्रणव, ओंकार।

ब्रह्मभट्ट पुं. (तत्.) भट्ट नामक एक उपजाति।

ब्रह्मभोज पुं. (तत्.) किसी धार्मिक अनुष्ठान के पश्चात् कराया जाने वाला ब्राह्मण-भोजन।

ब्रह्म मुहूर्त पुं. (तत्.) दे. ब्राह्म-मुहूर्त।

ब्रह्मयज्ञ पुं. (तत्.) 1. वेद का विधि पूर्वक अध्ययन एवं अध्यापन 2. गृहस्थ द्वारा अनुष्ठेय दैनिक पंच महायज्ञों में से एक।

ब्रह्मयोग पुं. (तत्.) ब्रह्मयोग का अनुशीलन या अभिग्रहण, आध्यात्मिक ज्ञान की प्राप्ति।

ब्रह्मयोनि वि. (तत्.) ब्रह्म से उत्पन्न।

ब्रह्मरंध्र पुं. (तत्.) मस्तक के मध्य में (मूर्धा में) माना हुआ एक गुप्त विवर (छिद्र) जिससे प्राण निकलने पर ब्रह्मलोक (मोक्ष) की प्राप्ति होती है।

ब्रह्मरूपक पुं. (तत्.) सोलह (16) वर्णों का एक छंद, चंचला, चित्र।

ब्रह्मरेख स्त्री. (तत्.) दे. ब्रह्मलेख।

ब्रह्मर्षि पुं. (तत्.) ब्राह्मण ऋषि, सर्वोत्कृष्ट ऋषि, वसिष्ठ आदि मंत्र-द्रष्टा ऋषि।